The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 2 | Issue 1 | January 2024
ISSN: 2583-973X
Website: www.theacademic.in

डिजिटल परिवर्तन और ऑनलाइन शिक्षा: एनईपी 2020 में आवश्यकता और चुनौतियाँ

पूजा पांडे

रिसर्च स्कॉलर, मदरहुड विश्वविद्यालय रूड़की, उत्तराखंड

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Keywords :

डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन, एनईपी-2020, तकनीकी, उपकरण, कार्यक्रम

ABSTRACT

डिजिटल शिक्षा पिछले कुछ दशकों से ज्यादातर एक नया विचार है, हालांकि यह कुछ समय पहले विभिन्न रूपों में मौजूद था। सिस्टम के कुछ हिस्सों के डिजिटलीकरण के साथ, शिक्षा प्रणाली में जल्द ही बड़े बदलाव आने वाले हैं। ये बदलाव 2020 में कोविड-19 जैसी प्राकृतिक और मानव निर्मित महामारी से बचाने में मदद करेंगे। यह सब इंटरनेट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कारण संभव हुआ है। ऑनलाइन शिक्षण कई प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है, जैसे एमओओसी, यूट्यूब, सोशल मीडिया, टेलीग्राम और अन्य। एमओओसी ऑनलाइन सीखने का सबसे लोकप्रिय तरीका है, और वे पारंपरिक स्कूलों की तरह ही डिग्री प्रदान करते हैं। यह पेपर भारत में डिजिटल शिक्षा पर गौर करेगा, जिसमें इसके लक्ष्य, दृष्टिकोण और बदलते प्रतिमानों के साथ-साथ एनईपी-2020 में इसके शामिल होने के परिणामस्वरूप आने वाली समस्याएं भी शामिल होंगी।

परिचय (Introduction)

ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा नई पीढ़ी का उपकरण है। यह मूलतः एक कंप्यूटर आधारित प्रोग्राम है. इस शिक्षा में कैरियर पाठ्यक्रम आंशिक या पूर्ण रूप से इंटरनेट, इंट्रानेट या एक्स्ट्रानेट के माध्यम से वितरित किए जाते हैं। ऑनलाइन शिक्षा अनुभाग एक सफल करियर का टिकट मात्र है। डिजिटल शिक्षा एक विकासशील क्षेत्र है जो मुख्य रूप से डिजिटल माध्यम से शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया से

संबंधित है। अब टेक्स्ट के आदान-प्रदान और ऑनलाइन असाइनमेंट सबमिट करने के पारंपरिक तरीकों के अलावा, ऑडियो, वीडियो और मल्टीमीडिया संसाधनों सहित सामग्री प्रारूपों की एक विस्तृत विविधता उपलब्ध है। ऑनलाइन शिक्षा एनईपी 2020 की एक प्रमुख प्राथमिकता हैभारत में डिजिटल शिक्षण के लाभों को अधिकतम करने के लिए, एनआईटी और इग्नू जैसे विश्वविद्यालय और संस्थान पायलट अनुसंधान अध्ययन करेंगे। दीक्षा और स्वयं (युवा महत्वाकांक्षी दिमागों के लिए सक्रिय शिक्षण का अध्ययन वेब) जैसी शिक्षण प्रबंधन प्रणाली (एलएमएसएस) को प्रशिक्षण सामग्री के साथ-साथ कक्षा में संसाधनों और मूल्यांकन क्षमताओं में नई अंतर्दृष्टि के साथ बढ़ाया जाएगा। सार्वजनिक डिजिटल और इंटरऑपरेबल बुनियादी ढांचे का निर्माण करना जिसका उपयोग विभिन्न प्लेटफार्मों द्वारा किया जा सकता है, इस पहल का एक और प्रमुख लक्ष्य है। आईसीटी और आईसीटी उद्योग की तीव्र प्रगति के साथ-साथ इंटरनेट की डिजिटल जानकारी की लगभग असीमित आपूर्ति ने डिजिटल शिक्षा के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। आज की दुनिया में, आईसीटी का उपयोग जीवन के हर हिस्से में किया जाता है और वर्तमान समाज को सूचना समाज कहा जाता है। शिक्षा से लेकर व्यवसाय प्रशासन, दूरसंचार, कृषि, स्वास्थ्य देखभाल से लेकर पर्यटन और सुरक्षा तक सब कुछ आईसीटी पर निर्भर है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर और इंटरनेट हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं। प्रौद्योगिकी और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग परिवारों, समुदायों, संस्थानों, देशों और दुनिया भर में बढ़ रहा है।

शोध विधि (Research Method)

यह लेख द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से लिखा गया है जिसमें अनेक समाचार पत्रों,लेखकों के लेखों,सरकारी गजट व सरकार द्वारा जारी आदेशों का अध्ययन किया है।

डिजिटल परिवर्तन और ऑनलाइन शिक्षा (Digital Transformation and Online Education)

डिजिटल परिवर्तन आधुनिक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है, और यह भारत में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को सफलतापूर्वक अपनाने के लिए आवश्यक है। एनईपी 2020 का लक्ष्य भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार और आधुनिकीकरण करना है, और डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग इस प्रयास का एक प्रमुख घटक है।

शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन के लाभ (Benefits of digital transformation in education)

- **छात्रों के लिए वैयक्तिकृत और लचीले शिक्षण अनुभव प्रदान करने की क्षमता-** प्रौद्योगिकी के उपयोग सेअपनी गति से और उस ,छात्र शैक्षिक सामग्री और संसाधनों तक अपनी शर्तों पर , तरीके से पहुंच सकते हैं जो उनकी सीखने की शैली के लिए सबसे उपयुक्त हो। इससे जुड़ाव और प्रेरणा बढ़ाने के साथसाथ परिणामों में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह कामकाजी - छात्रों या पारिवारिक जिम्मेदारियों वाले छात्रों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो गया है। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म और उपकरण दुनिया भर के संसाधनों और विशेषज्ञों तक पहुंच प्रदान कर सकते हैंजो सीखने के अनुभव को बढ़ा सकते हैं और छात्रों को उनके अध्ययन के क्षेत्र में , व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान कर सकते हैं।
- **छात्रोंशिक्षकों और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग और संचार को सुविधाजनक बनाने की , क्षमता**छात्र और ,शिक्षण प्रबंधन प्रणालियों और सोशल मीडिया जैसे उपकरणों के उपयोग से - शिक्षक एक साथ काम कर सकते हैं और स्थान की परवाह किए बिना वास्तविक समय में विचारों और संसाधनों को साझा कर सकते हैं। यह सीखने के माहौल में समुदाय और समर्थन की भावना को बढ़ावा दे सकता है। सीखने में छात्रों की सहभागिता और प्रेरणा में सुधार हुआ और बेहतर छात्र परिणाम प्राप्त हुए। इसके अलावाविशेषकर ,डिजिटल परिवर्तन सभी छात्रों , ग्रामीण या दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने में मदद कर सकता है। ऑनलाइन शिक्षणप्लेटफार्मों और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के उपयोग सेजिन छात्रों के पास ,

वे अब उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण अनुभवों में भाग ले ,पारंपरिक शिक्षा तक पहुंच नहीं थी सकते हैं।

- **ऑनलाइन मूल्यांकन** -डिजिटल टूल और प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग ऑनलाइन मूल्यांकनमूल्यांकन , और परीक्षा आयोजित करने के लिए किया जा सकता हैजो छात्रों और संस्थानों दोनों के लिए , समय और संसाधन बचा सकता है।
- **संकाय और कर्मचारियों के लिए बेहतर समर्थन-** प्रौद्योगिकी का उपयोग संकाय और कर्मचारियों के व्यावसायिक विकास का समर्थन करने के साथसाथ उनकी शिक्षण प्रथाओं को बढ़ाने के लिए - किया जा सकता है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिल सकती है और यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि संकाय और कर्मचारीकक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस हैं।
- **डेटा-संचालित दृष्टिकोण-** डिजिटल टूल का उपयोग छात्र डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए किया जा सकता हैजिसका उपयोग छात्र परिणामों में सुधार करने और पाठ्यक्रम , विकासऔर संसाधन आवंटन के बारे में अधिक सूचित निर्णय लेने के लिए किया जा सकता है।

कुल मिलाकर, भारत में एनईपी 2020 की सफलता के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों को अपनाना महत्वपूर्ण है। इसमें शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, छात्र सहभागिता और उपलब्धि बढ़ाने और शिक्षा को सभी के लिए अधिक सुलभ बनाने की क्षमता है। डिजिटल परिवर्तन को अपनाकर, भारत शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के अपने लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा सकता है।

चुनौतियाँ (Chellenges)

एनईपी 2020 ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा पर केंद्रित है। हालाँकि डिजिटल शिक्षा कई लाभ प्रदान करती है और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक बेजोड़ पहुँच प्रदान करती है, लेकिन इसके कार्यान्वयन में खामियाँ हैं जो किसी भी ऑनलाइन पाठ्यक्रम की सफलता को कमजोर कर सकती हैं (कुंडी और नवाज़,

2014), (2020, आईओएन प्रोफेशनल ई-लर्निंग प्रोग्राम)। इसके अलावा, कंप्यूटर साक्षरता की कमी ऑनलाइन सीखने में एक बाधा है। निम्नलिखित मुद्दे हैं जिनका डिजिटल शिक्षा सामना करती है:

शब्द "डिजिटल डिवाइड" डिजिटल साक्षरता में असमानता को संदर्भित करता है जिसमें कुछ लोग नियमित आधार पर डिजिटल गैजेट्स के बारे में जानते हैं और उनका उपयोग करते हैं, जबकि अन्य लोग डिजिटलीकरण से अनजान हैं।

- कई शिक्षक अपनी शिक्षण सामग्री की पर्याप्त मान्यता के बिना ज्ञान प्रदान कर रहे हैंजिसने , कई शिक्षण प्लेटफार्मों के उदय के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं।
- भारत में लोगों को तीन सामाजिकआर्थिक समूहों में विभाजित किया गया है। उच्च और - आर्थिक वर्गों के लोग प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के एकीकरण -मध्यवर्ती सामाजिक आर्थिक समूहों के लोग ऐसा नहीं करते हैं।-जबकि निचले सामाजिक ,के आदी और सहज हैं
- हमारी शैक्षिक प्रणाली मूलभूत शिक्षण अवसंरचना के साथ संघर्ष कर रही हैऔर अब हम , सीखने के पथ के डिजिटलीकरण की यात्रा करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारी सरकार दशकों से 6 शिक्षा में सकल घरेलू उत्पाद का% निवेश करने का प्रयास कर रही हैलेकिन ऐसा करने में , असमर्थ रही है। डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षण के लिए एक मजबूत विद्युत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।
- डिजिटल और ईलर्निंग तृतीयक शिक्षा में व्यावहारिक गतिविधियों के साथ असंगत हैं। चीजों को - जानना और उन्हें तदर्थ तरीके से आगे बढ़ाना निरर्थक है।

निष्कर्ष (Conclusion)

इस बात पर सभी सहमत हैं कि शैक्षणिक माहौल में प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा को अपनाया जाना चाहिए। भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मसौदा जारी कर दिया हैइस रणनीति में, भारत

सरकार सीखने के अधिक एकीकृत तरीके पर ध्यान केंद्रित करती है, जहां प्रौद्योगिकी का उपयोग करके और डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षण का अधिकतम उपयोग करके शिक्षा सुनिश्चित की जाती है। पिछले दो वर्षों में, भारत के शिक्षा क्षेत्र ने तेजी से विकास और परिवर्तन का अनुभव किया है, जिससे देश को एक स्मार्ट दुनिया में बदलने के हमारे प्रयासों में सहायता मिली है। शिक्षा क्षेत्र में डिजिटलीकरण को लागू करने के लिए, पर्याप्त बुनियादी ढांचे के निवेश की आवश्यकता है, साथ ही अच्छे विद्युत और दूरसंचार नेटवर्क, अंग्रेजी बोलने वाले तकनीकी-कुशल शिक्षक आदि की भी आवश्यकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है कि छात्रों को ऐसी सामग्री तक पहुंच न मिले जो सेंसर न की गई हो, क्योंकि हमें अपने युवाओं को एक संपत्ति के रूप में देखना चाहिए और उन्हें साइबर खतरों से बचाने के लिए उन पर कड़ी नजर रखनी चाहिए

संदर्भ ग्रंथ सूची (References)

- Cunha, M. N., Chuchu, T., & Maziriri, E. T. (2020). Threats, challenges, and opportuni- ties for open universities and massive online open courses in the digital revolution. Interna- tional Journal of Emerging Technologies in Learning, 15(12), 191–204. https://doi.org/10.3991/ijet.v15112.13435
- Ertmer, P. A. (1999). Addressing first-and second-order barriers to change: Strategies for technology integration. Educational technology research and development, 47(4), 47- 61.
- Guoyuan, S., Valcke, M., Johan, V., Tondeur, J., & Zhu, C. (2010). Predicting ICT inte-Gration into classroom teaching in Chinese primary schools: exploring the complex inter- Play of teacher-related variables. Journal of Computer Assisted Learning.
- Kundi, G M., & Nawaz, A. (2014). From e-Learning 1.0 to e-Learning 2.0: Threats &Opportunities for Higher Education Institutions in the Developing Countries. European Journal of Sustainable Development, 3(1), 145-160. https://doi.org/10.14207/ejsd.2014.v3n1p145
- Kundu, A. (2020). Toward a framework for strengthening participants' self-efficacy in online education. Asian Association of Open Universities Journal, 15(3), 351-370. https://doi.org/10.1108/AAOUJ-06-2020-0039

- Kundu, A. & Dey, K. N. (2018). Barriers to Utilizing ICT in Education in India with a Special Focus on Rural Areas. International Journal of Scientific Research and Re- views. 7(2), 341-359, https://doi.org/10.13140/RG2.2.14437.73449
- Kundu, A., & Bej, T. (2021). COVID-19 response: students' readiness for shifting classes online. Corporate Goverance: The International Journal of Business in Society. https:///www.emerald.com/insight/content/doi/10.1108/CG-09-2020-0377/full/html. Mohhamad S., & Bilkisu Gambo. (2020). Digital Education: Opportunities, Threats and Challenges. 2(2). JEP.
- Mitra Y. &Singh D. (2020), NEP 2020: An Interplay of Education and Technology, India Corporate Law, A Cyril Amarchand Mangaldas Blog. https:// corporate.cyrilamarchandblogs.com/2020/08/nep-2020-an-interplay-of-education-andtechnology
- Naresh, B., & Rajalakshmi M. (2017), E-Learning in India: ASWOT Analysis. Interna- tional Journal of Engineering Technology Management and Applied Sciences2, 5(10). 2349-4476.